कानपुर, सोमवार, 02 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 57, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड भारत में हवाई यात्रा संकट गहराया, सैकड़ों उड़ानें रद्द...>Pg12
नजूल की जमीन सरकार के खाते में आई...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

विश्वयुद्ध-3.0 की दहलीज पर!

ब्रिटेन ने खोले अमेरिकी बेस, ईरान के पलटवार से खाड़ी में हड़कंप, फ्रांस, जर्मनी भी इस युद्ध में शामिल हो सकते

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में तेजी से बिगड़ते हालात अब व्यापक युद्ध की आशंका को जन्म दे रहे हैं। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद शुरू हुआ टकराव अब खाड़ी क्षेत्र तक फैल चुका है। ईरान ने जवाबी कार्रवाई में खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। युद्ध की बदलती तस्वीर से आशंका हो रही है कि कहीं अब विश्व युद्ध न छिड़ जाये। पर वहीं यह भी खबर आ रही है कि फ्रांस, जर्मनी व ब्रिटेन भी इस युद्ध में शामिल हो सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर में कई जगह धमाकों की आवाजें सुनी गईं। हालांकि आधिकारिक तौर पर नुकसान का पूरा आकलन अभी सामने नहीं आया है, लेकिन क्षेत्रीय सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इस बीच ब्रिटेन ने बड़ा रणनीतिक कदम उठाते हुए अपने सैन्य ठिकानों को अमेरिकी उपयोग के लिए खोल दिया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि "सीमित रक्षात्मक उद्देश्यों" के तहत अमेरिका को ब्रिटिश बेस इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई है, ताकि ईरानी हमलों को रोका जा सके। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन सीधे तौर पर ईरान पर हुए हमलों में शामिल नहीं है। इसी दौरान साइप्रस स्थित ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के अक्रोटिरी बेस पर संदिग्ध ड्रोन हमले की खबर ने तनाव और बढ़ा दिया है।

ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का बदला लेने का ऐलान करते हुए इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर तीव्र हमले तेज कर दिए हैं। जवाब में अमेरिका ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाते हुए बी-2 बॉम्बर्स तैनात कर दिए हैं। तेल अवीव में मिसाइल हमलों और एयर डिफेंस सिस्टम की सक्रियता के चलते जोरदार धमाकों की आवाजें गूंजीं। इजरायली आपात सेवाओं के अनुसार मध्य शहर बेत शेमेश में एक यहूदी प्रार्थना स्थल पर हमले में आठ लोगों की मौत और 28 घायल होने की सूचना है। देश में मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 बताई जा रही है।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते हमलों के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात पर शीघ्र नियंत्रण नहीं हुआ तो यह संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में बदल सकता है।

ट्रंप की चेतावनी से बढ़ी सियासी गर्मी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बयान जारी कर ईरान को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड, सेना और पुलिस ने "हथियार नहीं डाले, तो परिणाम घातक होंगे।" ट्रंप ने अमेरिकी कार्रवाई को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया। उनकी इस तीखी टिप्पणी ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। वहीं तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच मिडिल ईस्ट बारूद के ढेर पर खड़ा नजर आ रहा है। कूटनीतिक समाधान की राह फिलहाल धुंधली दिख रही है, जबकि सैन्य गतिविधियां लगातार तेज हो रही हैं। आने वाले दिन तय करेंगे कि यह टकराव सीमित रहेगा या विश्व राजनीति को हिला देने वाला बड़ा युद्ध बनेगा।

संघर्ष की प्रमुख वजह

- ईरान पर अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमले
- अयातुल्ला खामेनेई की हत्या के बाद बदले का ऐलान
- खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी
- क्षेत्रीय शक्ति संतुलन की लड़ाई

वैश्विक असर की आशंका

- तेल कीमतों में संभावित उछाल
- खाड़ी देशों में सुरक्षा संकट
- पश्चिमी देशों की सैन्य सक्रियता में वृद्धि

बहराइच में आधी रात को कत्लेआम, कुल्हाड़ी से मां-बाप समेत चार की निर्मम हत्या

- धन के लालच में 'कलयुगी बेटे' ने रच दिया खून का खेल
- घर में बिछीं लाशें; दो की हालत गंभीर, मासूम अकेला बचा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के रुपईडीहा थाना क्षेत्र में आधी रात ऐसा खौफनाक मंजर सामने आया जिसने पूरे इलाके की रूह कंपा दी। पारिवारिक विवाद और पैसों के लालच में एक युवक ने अपने ही घर को मौत का मैदान बना दिया। कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसने परिवार के चार सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी, जबकि दो लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

घटना रविवार देर रात की बताई जा रही है। जब पूरा गांव गहरी नींद में था, तभी बडलूराम के घर से चीख-पुकार की आवाजें आने लगीं। आसपास के लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले घर के भीतर खून की नदियां बह चुकी थीं। आरोपी युवक ने मां, पिता, दादी और बहन पर कुल्हाड़ी से इतने वार किए कि किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

बहराइच हत्याकांड का आरोपी निरंकार वर्मा

इस हमले में 82 वर्षीय शिताला, 60 वर्षीय संज देवी, 20 वर्षीय पार्वती और 62 वर्षीय बडलूराम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 40 वर्षीय गुरुदेव और 30 वर्षीय निरंकार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में हालत नाजुक होने पर लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

मौके पर जांच-पड़ताल करती पुलिस

पुलिस के मुताबिक वारदात के पीछे दो भाइयों के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण माना जा रहा है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी मानसिक दबाव में था। हालांकि पुलिस घायलों के बयान का इंतजार कर रही है, ताकि हत्याकांड की असली वजह साफ हो सके। घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घर के बाहर झाड़ियों से खून से सनी कुल्हाड़ी बरामद कर ली है। घर के भीतर का दृश्य इतना भयावह था कि पुलिसकर्मी भी सिहर उठे। चारों ओर खून फैला था और शव अलग-अलग कमरों में पड़े थे।

इस खूनी वारदात में एक मासूम बच्चा ही सुरक्षित मिला, जिसे पुलिस ने अपने संरक्षण में ले लिया है। गांव में दहशत का माहौल है और एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है, साक्ष्य संकलन जारी है और इलाके में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। लेकिन आधी रात हुए इस कत्लेआम ने रिश्तों के विश्वास को लहूलुहान कर दिया है।

रंगों के महापर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

SWACHH SURVEKSHAN #Mera Shahar, Meri Pehchan 2023
Ministry of Housing and Urban Affairs

श्री ए० के० शर्मा, नगर विकास मंत्री

श्रीमती प्रमिला पाण्डेय, महापौर

नगर निगम कानपुर

आइए! मिलकर स्वच्छता के प्रति कदम बढ़ाए, अपने कानपुर नगर को स्वच्छ बनाएं।

नगर की सफ़ाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में हमे चाहिए आपका सहयोग। इसी क्रम में हम आपसे अपील करते है कि

- अपने घर के कूड़े को प्रथक-प्रथक करके नगर निगम द्वारा संचालित डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
- सड़क पर कूड़ा न फेंके।
- आस पास साफ सफाई रखें, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
- प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करें।
- Reduse, Reuse, Recycle की अवधारणा को अपने जीवन में आदत के रूप में ढालें।
- कानपुर नगर को साफ व स्वच्छ बनाने में कानपुर नगर निगम का सहयोग करें।

SAY NO TO PLASTIC

/KANPUR MUNICIPAL CORPORATION

श्री अर्पित उपाध्याय (आईएएस) नगर आयुक्त

सिविल लाइंस की 25 करोड़ की नजूल की जमीन सरकार के खाते में आई

एडीएम वित्त बोलेः अवैध तरीके से नजूल की जमीन खरीदने व बेचने वालों पर होगा मुकदमा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर. सिविल लाइन्स की 14/59 ए 2500 स्क्वायर मीटर की नजूल भूमि सरकारी खाते में दर्ज की गई है। इस जमीन का अनुमानित मूल्य करीब 25 करोड़ है। आरोप है नजूल की जमीन को फर्जी तरीके से बिना अनुमति के पट्टाधारक ने शौकत पहलवान को बेचा था। तहसील की रिपोर्ट पर 2500 स्क्वायर मीटर जमीन सरकार के खाते में दर्ज की गई।

एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी, ने बताया कि केसी बेरी के बेटों ने जमीन को शौकत को बेचा था। यह पूरी तरह से अवैध है। अब नजूल की जमीन को सरकार के खाते में दर्ज कर लिया गया है। जल्द कब्जा लिया जाएगा। अवैध तरीके से नजूल की जमीन खरीदने व बेचने वालों पर मुकदमा होगा।

एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी के मुताबिक, प्रशासन ने सिविल लाइन्स की

14/59ए नजूल की 2500 स्क्वायर मीटर जमीन, पट्टे पर केसी बेरी को दी थी। केसी बेरी की मौत हो चुकी है। अब जमीन पर केसी बेरी के पुत्र तरंग बेरी, नीरज बेरी और विकास बेरी का कब्जा है। पट्टेदारों ने लीज रेंट जमा नहीं किया। न ही पट्टे की अवधि का नवीनीकरण और फ्री होल्ड कराने की कोई कार्रवाई की गई। उल्टा जमीन को बिना प्रशासन की अनुमति के शौकत को बेच दिया।

जबकि नजूल की जमीन के एक भाग में

सीबीसीआईडी का कार्यालय था। जानकारी होने पर प्रशासन ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर जमीन को सरकारी खाते में दर्ज किया है। जमीन का मूल्य 25 करोड़ है। बताते चले कि आगजनी मामले में शौकत पहलवान को सजा हो चुकी है।

प्रशासन को मुकदमा होने पर हुई जानकारी

केसी बेरी के पुत्रों से जमीन खरीदने के बाद शौकत अली ने सीबीसीआईडी से कार्यालय के बदले में किराया मांगा। सरकारी कार्यालय का हवाला देकर जब किराया नहीं मिला तो शौकत कोर्ट चला गया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा सीबीसीआईडी या तो जगह का किराया दे या फिर जगह खाली कर दे। कोर्ट ने सीबीसीआईडी को कुछ समय दिया था। कोर्ट का आदेश आने के बाद प्रशासन को नजूल जमीन की जानकारी हुई। तब उन्होंने जमीन को वापस लेने की कार्रवाई शुरू की। शासन की अनुमति एवं नजूल मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार उक्त भूखण्ड में पुनःप्रवेश की कार्यवाही करते हुए इसे "अनावंटित सरकारी भूमि" में दर्ज किया गया है।

बेकाबू रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, गुस्साई भीड़ ने चालक को पीटा

- आक्रोशित भीड़ ने कार में तोड़फोड़ कर चालक व सवार को किया घायल
- हालिया लैंबोर्गिनी हादसे के बाद फिर उठे तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा के सवाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में चर्चित लैंबोर्गिनी कार हादसे के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर उठे सवालों के बीच कल्याणपुर क्षेत्र में एक और सड़क दुर्घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार औरैया के याकूबपुर निवासी सुशील कुमार किराए की कार से अपने आवास लौट रहे थे। कार को धीरेंद्र त्रिपाठी चला रहे थे। बताया गया कि बंबा रोड पर एक अन्य वाहन से मामूली टक्कर से बचने के प्रयास में चालक ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान टूटी पुलिया के पास कार अनियंत्रित हो गई और सामने जा रहे एक बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरा, जबकि उसकी बाइक कार के नीचे फंस गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों का गुस्सा भड़क उठा और आक्रोशित भीड़ ने कार चालक धीरेंद्र त्रिपाठी की पिटाई कर दी। कार में सवार सुशील कुमार को भी भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। गुस्साए लोगों ने कार में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। घायलों को पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें बरासिरोही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया गया।

घायल बाइक सवार को भी उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सड़क पर पड़ी गिट्टी और मौरंग तथा टूटी पुलिया के कारण वाहन अनियंत्रित हुआ। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि घटना का वीडियो सामने आया है, जिसके आधार पर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार

तेज रफ्तार पर नहीं लग रही लगाम
- हाल ही में शहर में हुए चर्चित लैंबोर्गिनी हादसे के बाद भी तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की घटनाएं थम नहीं रही हैं।

खराब सड़कें भी बन रहीं जानलेवा
- कई इलाकों में टूटी पुलिया, गड्ढे और सड़क पर फैली गिट्टी-मौरंग दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहे हैं।

हादसों के बाद बढ़ रहा भीड़ का आक्रोश
- ऐसी घटनाओं में अक्सर भीड़ कानून अपने हाथ में ले लेती है, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है।

सड़क सुरक्षा पर सख्ती की जरूरत
- विशेषज्ञों का मानना है कि तेज रफ्तार पर नियंत्रण, सड़क मरम्मत और यातायात नियमों के कड़ाई से पालन से ही ऐसे हादसों को रोका जा सकता है।

उड़ा गुलाल गगन में ऐसे जैसे फैला उजियाला

होली पर कविता और नृत्य के रंगों से सराबोर हुआ बड़ा चौराहा मेट्रो स्टेशन

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में होली का उल्लास उस समय और भी रंगीन हो उठा, जब कानपुर मेट्रो ने बड़ा चौराहा मेट्रो स्टेशन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया। 'प्रीत की महफिल', 'सिंगर्स की दुनिया' और 'राएमा डांस एकेडमी' के सहयोग से आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम ने यात्रियों और शहरवासियों को उत्सव के रंगों में डुबो दिया।

'शो योर टैलेंट' पहल के अंतर्गत दोपहर लगभग 1 बजे शुरू हुए इस विशेष आयोजन में बच्चों से लेकर युवाओं तक ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मंच पर प्रस्तुत नृत्य कार्यक्रमों ने पूरे स्टेशन परिसर को तालियों की गूंज से भर दिया। कलाकारों ने 'जा रे हट नटखट' और 'आज बिरज में होली रे रसिया' जैसे लोकप्रिय होली गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। नन्हे कलाकारों की ऊर्जा और उत्साह ने यात्रियों का मन मोह लिया।

नृत्य प्रस्तुतियों के पश्चात काव्य पाठ का दौर आरंभ हुआ। युवा कवियों ने होली की उमंग, प्रेम और मिलन के भावों से ओतप्रोत अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी। कवयित्री ऋचा तिवारी ने "बरसाने की रंगी हैं गलियां, रंग गया मुरलीवाला" कविता से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कवि विनय कुमार माधव ने "फीके हैं सारे रंग उसके बिना, अब परदेस में रहकर यह जान लिया है" पंक्तियों के माध्यम से विरह के भाव व्यक्त किए।

कवि नरेंद्र कुमार की "आज तो खुलकर खेलो तुम, बुरा ना मानो होली है", कवि संतोष सुगम की "होली है कि टोली है कि रंगों की रंगोली है" तथा कवयित्री ऋचा तिवारी 'प्रीत' की "त्योहार है रंगों का, खुशियों का..." जैसी रचनाओं ने वातावरण को उल्लास से भर दिया। रोहित श्रीवास्तव, निशांत शुक्ल और अनिल कुमार सहित अन्य रचनाकारों ने भी अपनी कविताओं से कार्यक्रम को विशेष रंग प्रदान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों और यात्रियों ने 'शो योर टैलेंट' पहल की सराहना की। उल्लेखनीय है कि कानपुर मेट्रो न केवल सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सेवा प्रदान कर रहा है, बल्कि शहर की सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों को मंच देने का कार्य भी कर रहा है। होली के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम यात्रियों के लिए यादगार अनुभव बन गया।

दादानगर में इंसानियत के रंग

होली से पहले श्रमिकों संग खुशियों की सौगात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। होली के रंगों से पहले इंसानियत की मिठास घोलने की अनूठी पहल दादानगर औद्योगिक क्षेत्र में देखने को मिली।

नेककाज चैरिटेबल सोसाइटी ने आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद श्रमिकों के बीच पहुंचकर त्योहार की खुशियां साझा कीं और समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

सोमवार, 02 मार्च 2026 को आयोजित सेवा कार्यक्रम में 551 गुझिया के डिब्बे और गुलाल वितरित किए गए। मिठास और अपनत्व से भरी इस पहल ने श्रमिकों के चेहरों पर सच्ची मुस्कान बिखेर दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ हॉस्पिटल के आदित्य भाटिया द्वारा किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील मेहता ने कहा कि त्योहार तभी सार्थक होते हैं, जब उनकी खुशियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। उपाध्यक्ष अखिलेश गर्ग ने बताया कि संस्था वर्ष 2015 से कानपुर में जरूरतमंदों की सेवा में निरंतर सक्रिय है और हर पर्व को सेवा का अवसर मानती है।

कार्यक्रम में अरुण मिश्रा, धर्मेंद्र अवस्थी, कांत राय, एस.के. सिंह, एस.एन. सिंह, प्रमोद कुमार, के.के. सिंह, राम कुमार यादव, राजेंद्र अवस्थी, बी.एल. माली सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

दादानगर के श्रमिकों के साथ मनाई गई यह होली इस बात का प्रमाण है कि सच्ची खुशियां बांटने से बढ़ती हैं, और इंसानियत के रंग सबसे गहरे होते हैं।

आम दिनों की तरह होली का दिन भी बीतता है

इस गांव में आज भी नहीं मनाई जाती है होली

कानपुर देहात के झींझक क्षेत्र का यह गाँव होलिका दहन को नहीं मानता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जब पूरा देश रंग, गुलाल और पिचकारियों की फुहार में डूबा होता है, तब कानपुर देहात के झींझक ब्लॉक क्षेत्र का रामनगर गाँव एक अलग ही तस्वीर पेश करता है। यहाँ होली का दिन किसी आम दिन जैसा गुजर जाता है न ढोल की थाप, न बच्चों की टोलियाँ, न घरों में गुझिया की खुशबू।भारत को पर्वों का देश कहा जाता है, जहाँ हर त्योहार परंपराओं और आस्थाओं के साथ मनाया जाता है। होलिका दहन की तैयारियां कई दिन पहले शुरू हो जाती हैं। गांवों में बच्चे लकड़ियां जुटाते हैं, महिलाएँ पकवान बनाती हैं और बाजारों में रंग-बिरंगे गुलाल की रौनक दिखती है। लेकिन रामनगर में यह हलचल नदारद रहती है। करीब 370 की आबादी वाला यह गाँव होली के दिन भी अपनी सामान्य दिनचर्या में व्यस्त दिखाई देता है।

ग्रामीणों के अनुसार, उनकी परंपरा इस त्योहार से अलग राह चुनती है। उनका मानना है कि पौराणिक कथा में होलिका के साथ अन्याय हुआ था। इसी वजह से वे होलिका दहन की परंपरा को स्वीकार नहीं करते। गाँव के बुजुर्ग बताते हैं कि वे स्वयं को होलिका वंशज मानते हैं और इस कारण होली जलाना या खेलना उनकी परंपरा के विरुद्ध है।

झींझक क्षेत्र की अनंतपुर धौकल ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाला यह मजरा वर्षों से इसी परंपरा का पालन कर रहा है। होली के दिन जब आसपास के गाँव रंगों में सराबोर होते हैं, तब रामनगर की गलियाँ सूनी रहती हैं। न घरों की चौखट पर रंग दिखाई देते हैं, न छतों से उड़ता गुलाल।

महिलाएँ बताती हैं कि त्योहार के अवसर पर भी घरों में विशेष पकवान नहीं बनते। सामान्य दिनों की तरह सादा भोजन तैयार होता है और दिनचर्या उसी तरह चलती रहती है।गाँव में जब होली के दिन का नज़ारा देखा जाता है, तो यह अंतर और भी स्पष्ट हो जाता है। बच्चे न तो पिचकारी खरीदने की जिद करते हैं और न ही रंग खेलने की तैयारी। युवाओं में भी उत्साह का अभाव दिखता है। उनके लिए यह दिन किसी और दिन से अलग नहीं।

रामनगर की यह परंपरा आसपास के लोगों के लिए कौतूहल का विषय जरूर है, लेकिन गाँववाले इसे अपनी पहचान मानते हैं।

उनका कहना है कि वे अपनी मान्यताओं के साथ समझौता नहीं करते। जहाँ एक ओर देशभर में होली को बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है, वहीं रामनगर में यह दिन शांति और सन्नाटे के साथ बीतता है। यह गाँव बताता है कि भारत की विविधता केवल भाषाओं और वेशभूषा में ही नहीं, बल्कि त्योहारों को देखने के नजरिए में भी बसती है।

19 वर्षों से प्रज्वलित आस्था की अग्नि

जुनेदपुर के बालाजी धाम में अनूठी नारियल की होली, दूर-दराज से आते हैं श्रद्धालु

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक के जुनेदपुर स्थित बालाजी धाम में होलिका दहन का दृश्य हर वर्ष आस्था, परंपरा और सामूहिक एकता का अद्भुत संगम बन जाता है। यहां पिछले 19 वर्षों से निरंतर 'नारियल की होली' जलाई जा रही है, जिसने अब पूरे क्षेत्र की पहचान का रूप ले लिया है। जनपद ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों और अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु इस अनूठी परंपरा के साक्षी बनने पहुंचते हैं।

यह आयोजन मात्र धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोक विश्वास और सनातन संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति है। होली से कई दिन पूर्व ही मंदिर परिसर में तैयारियां शुरू हो जाती हैं। ग्रामीण मिलकर गाय के गोबर के उपले तैयार करते हैं, होलिका स्थल को सजाया जाता है और पूरे परिसर को पताकाओं व आकर्षक रोशनी से सुसज्जित किया जाता है। वातावरण में भक्ति गीतों और जयकारों की गूंज आस्था को और प्रगाढ़ बना देती है।

ग्राम प्रधान राकेश

घर-घर से समर्पित होता है श्रद्धा का नारियल

होलिका दहन के दिन श्रद्धालु अपने-अपने घरों से नारियल में लाल कपड़ा लपेटकर लाते हैं। पहले परिवार के सदस्यों का उतारा कर रोग-दोष निवारण और संकट मुक्ति की कामना के साथ नारियल समर्पित किया जाता है। चंदन की लकड़ी अर्पित करने की भी परंपरा है। जब उपलों से सजी होलिका में ये नारियल और लकड़ियां डाली जाती हैं, तो अग्नि की लपटें केवल आस्था ही नहीं, विश्वास की ऊंचाई भी दर्शाती हैं। मान्यता है कि इस पावन अग्नि की परिक्रमा करने से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है और परिवार में सुख-शांति व समृद्धि आती है।

केला देवी मंदिर से बालाजी धाम तक

मंदिर के महंत ओमप्रकाश शास्त्री के अनुसार, पहले यह परंपरा अकबरपुर क्षेत्र के लालपुर स्थित केला देवी मंदिर में निभाई जाती थी। लगभग 19 वर्ष पूर्व जुनेदपुर में बालाजी संकट मोचन हनुमान मंदिर के निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा के बाद वैदिक विधि से इस परंपरा को यहां स्थानांतरित किया गया। तभी से यह आयोजन निरंतर

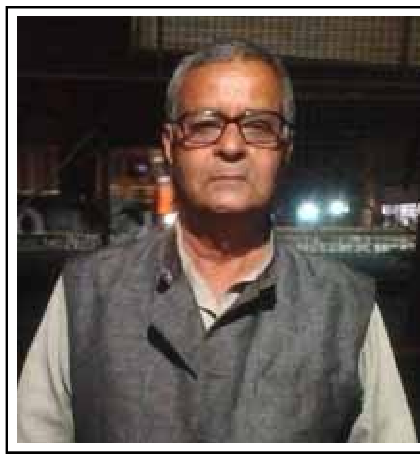

जारी है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि संकट मोचन के सान्निध्य में की गई प्रार्थना शीघ्र फलदायी होती है।

पताका पदयात्रा बनती है आकर्षण का केंद्र

होलिका दहन के दिन लालपुर से भव्य पताका पदयात्रा निकाली जाती है। ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच यह यात्रा बालाजी धाम पहुंचती है, जहां सामूहिक रूप से होलिका दहन संपन्न होता है। इस यात्रा में गांववासियों की सक्रिय भागीदारी आयोजन को और भव्य बना देती है। कानपुर देहात, कानपुर नगर, औरैया, जालौन, हमीरपुर, उन्नाव सहित राजस्थान और मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। कई परिवार वर्षों से मनौती लेकर आते हैं और पूर्ण होने पर पुनः नारियल अर्पित कर आभार जताते हैं। ग्राम प्रधान राकेश यादव का कहना है कि लोक कल्याण और क्षेत्रीय समृद्धि की भावना से प्रज्वलित यह नारियल की होली, जुनेदपुर के बालाजी धाम में विश्वास की ज्योति को निरंतर आलोकित कर रही है।

सम्पादकीय

बढ़ेंगी हमारी मुश्किलें विदेश नीति होगी प्रभावित

'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है। इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई तथा उनके परिजनों समेत कई लोगों की मौत को किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता। यह समय वैश्विक कानून-व्यवस्था के भंग होने और अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों के सिरे चढ़ने का है। जब से ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, उन्होंने वैश्विक संप्रभुता और संयुक्त राष्ट्र समेत दुनिया की तमाम नियामक संस्थाओं को बेबस बना दिया है। वेनेजुएला में हमला करके राष्ट्रपति निकोलेस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाने के बाद अब खामेनेई की परिवार समेत हत्या ने दर्शा दिया है कि दुनिया फिर जंगल-राज की तरफ बढ़ रही है। शक्ति बंदूक की नोक से निकलती दिख रही है। छोटे राष्ट्रों की संप्रभुता संकट में है। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण, वेनेजुएला व ईरान पर अमेरिकी हमला बता रहा है कि आने वाले दिनों में ताइवान जैसे अन्य संकटग्रस्त देशों के सामने अस्तित्व बनाये रखने की चुनौती होगी। पूरी दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला में आये व्यवधान तथा ट्रंप के टैरिफ आतंकवाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था पहले ही चरमरा रही है। रोजगार के अवसर कम हुए हैं और लोगों को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमले की प्रतिक्रिया मध्यपूर्व के अलावा पश्चिमी देशों में आने वाले समय में दिखाई देगी। जिसकी असली कीमत मानवता को ही चुकानी होगी।निस्संदेह, आने वाले दिनों में भारत को ईरान-अमेरिकी संघर्ष की कीमत चुकानी होगी। इससे भारत की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। भारत के लिये मुश्किल यह भी है कि ईरान पर हमला प्रधानमंत्री की इस्राइल यात्रा के तुरंत बाद हुआ है। जिससे भारत के लिये मध्यपूर्व को लेकर विदेश नीति में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। इससे हार्मुज स्ट्रेट रूट से भारत को होने वाली कच्चे तेल की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होगी।

वहीं दूसरी ओर मध्यपूर्व में कार्यरत नब्बे लाख से अधिक भारतीयों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ेगा और उनके द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी प्रभावित होगी। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की पचास फीसदी आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट रूट से होती है।

रूसी तेल खरीदने पर अमेरिकी दबाव के चलते भी इस रूट से भारतीय आपूर्ति बढ़ी है। इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने का सीधा असर भारत में कच्चे तेलों के दामों पर पड़ेगा।

भविष्य में भारतीयों को तेल कीमतों में वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। वहीं लाल सागर से होने वाली तेल आपूर्ति भी ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों की धमकी से प्रभावित होगी। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

भारत इस समय ग्लोबल साउथ के नेतृत्व का दावा करता है और फिलहाल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान भी पिछले साल ब्रिक्स का सदस्य बन चुका है। ऐसे में क्या भारत इस हमले का विरोध करने की स्थिति में है? भारत ईरान से पुराने संबंधों के चलते क्या अमेरिका से दूरी बना सकता है?'समरथ को नहिं दोष गुसाईं' उक्ति की तर्ज पर ईरान पर हुए अमेरिकी-इस्राइली हमले को पश्चिमी देशों द्वारा तार्किक बताया जा रहा है।

ईरान पर हमले से बढ़ेगा मध्यपूर्व का संकट

निरंजन शंकर शुक्ल

ओमान को भी लगा है कि बातचीत के धोखे में ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई, उनके परिवार और दूसरे टॉप ईरानी अधिकारियों की हत्या सीआईए और मोसाद के बीच इंटेलिजेंस शेयरिंग के बाद हुई। अली ख़ामेनेई की सत्ता पलटी...ओमान को भी लगा है कि बातचीत के धोखे में ईरान के सर्वोच्च नेता अली ख़ामेनेई, उनके परिवार और दूसरे टॉप ईरानी अधिकारियों की हत्या सीआईए और मोसाद के बीच इंटेलिजेंस शेयरिंग के बाद हुई। अली ख़ामेनेई की सत्ता पलटी जा सकती थी, उन्हें मारना ट्रंप-नेतन्याहू की 'कूटनीतिक मिसफ़ायर' है। वो सद्दाम हुसैन नहीं थे।

शनिवार को हुए हमलों में कम से दो सौ से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें दक्षिणी ईरान के एक स्कूल में हुए 80 से ज्यादा लोग शामिल हैं। अमेरिका में इस हमले के हवाले से जो पोल कराया गया, उससे स्पष्ट हुआ कि केवल 33 फीसद लोग ईरान पर आक्रमण के पक्ष में थे। डेमोक्रेटिक हाउस माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीस ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमला करने से पहले कांग्रेस से मंजूरी लेने में नाकाम रहे थे।' ट्रंप को कन्विंस करना होगा कि ईरान पर कार्रवाई के बाद अमेरिकन्स सुरक्षित हैं।चीनी विदेश मंत्रालय मिडल ईस्ट में फंसे अपने नागरिकों को वहां से निकल लेने के कई विकल्प दे चुका है। मंत्रालय ने कहा कि अस्तारा बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए अज़रबैजान में हमारे नागरिक बिना वीज़ा के आ सकते हैं, जो रोज़ सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक खुला रहता है। अगराक क्रॉसिंग से आर्मेनिया में भी बिना वीज़ा के एंट्री मिलती है। चीनी दूतावास के मुताबिक, 'वान, आगरी और हक्कारी प्रांतों में बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए तुर्की में ज़मीन के रास्ते खुले हैं, जहां चीनी पासपोर्ट होल्डर्स को भी बिना वीज़ा के आने-जाने की इजाज़त है। जो लोग इराक में घुसना चाहते हैं, वे शालमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग के ज़रिए ऐसा कर सकते हैं, बशर्ते वे पहले से इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा ले लें, या पहुंचने पर टेम्परारी वीज़ा के लिए अप्लाई करें।'मिडिल ईस्ट में कई एम्बेसी, जिनमें तुर्की, अज़रबैजान और इराक शामिल हैं, ने उन चीनी नागरिकों के लिए अधिसूचना जारी की हैं, जो ईरान से इन देशों में इवैक्युएट होना चाहते हैं। इससे एक बात तो नज़र आ रही है, कि मिडल-ईस्ट में लड़ाई लम्बी चलेगी। उसमें चीन और रूस की भूमिका अभी स्पष्ट नहीं है। इनकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने की रहेगी। युद्ध प्रभावित और ईरानी टारगेट वाले देशों में कोई 50 हज़ार रूसी नागरिक हैं। क़तर और बहरीन में कोई दो हज़ार रूसी नागरिकों को निकलने की चिंता क्रेमलिन को है। लेकिन चीन-रूस से कई गुना अधिक 97 लाख के क़रीब भारतीय नागरिक युद्ध प्रभावित गल्फ के देशों में हैं, उन्हें सुरक्षित निकालना आसान नहीं है।इराकी कुर्दिस्तान के एरबिल में हवाई हमले और धमाकों की खबर है। शिया मिलिशिया शरया उलिया अल-दाम ने उस जगह पर कब्ज़ा करने का दावा किया, जहां एक बड़ी फ्यूल स्टोरेज की जगह थी। मूवमेंट के मिलिट्री विंग के प्रतिनिधियों ने घोषणा की, कि इराक में अमेरिकी सैनिकों, प्रॉपर्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले जारी रहेंगे। कतर, कुवैत, बहरीन, जॉर्डन और यूएई अमेरिकी मित्र और सैन्य ठिकानों वाले देश हैं। ईरानी ऑपरेशन में मरने वाले अमेरिकी सैनिकों की संख्या कथित तौर पर बढ़ गई है। कुवैत में एक बेस और बहरीन में अमेरिकी सैनिकों के ठिकानों पर ईरानी रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प के हमलों में सबसे ज्यादा अमेरिकी सैनिक मारे गए एक बात तो मान कर चलें, जिन-जिन देशों में अमेरिकी बेस हैं, वो मुल्क भी महफ़ूज़ नहीं हैं। राजधानी दोहा के बाहर रेगिस्तान में 24 हेक्टेयर का अल उदीद एयर बेस, यूएस सेंट्रल कमांड का फॉरवर्ड हेडक्वार्टर है, जो पश्चिम में मिस्र से लेकर पूर्व में कजाकिस्तान तक फैले इलाके में अमेरिकी मिलिट्री ऑपरेशन्स को डायरेक्ट करता है। मिडिल ईस्ट के सबसे बड़े अल उदीद बेस में करीब 10,000 अमेरिकी सैनिक हैं।

सहज जीवन से ही सुकून, होती है शांति की प्राप्ति

अंतर्मन

क्षमा शर्मा

सरलता का जीवन, वह धरा है, जहां संवेदनाओं की फसल निरंतर लहलहाती रहती है। सही मायनों में सहजता ही वह उर्वर शक्ति है, जो हमारे व्यक्तित्व को 'बंजर' होने से बचाने में सक्षम है।यह समय की विसंगति ही कही जाएगी कि आर्थिक तरक्की और समृद्धि के बावजूद हमारे व्यवहार में कृत्रिमता का गहरा दखल हो गया है। किसी नजदीकी व्यक्ति से बातचीत करते हुए दिमाग में जोर डालना पड़ता है कि इस व्यक्ति की बात का वास्तविक अर्थ क्या है। यह भी कि अपने हितों की पूर्ति के लिए उसके व्यवहार में बदलाव क्यों व कैसे आ जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो हम देश-काल-परिस्थिति और अपनी जरूरतों के मुताबिक व्यवहार बदलते रहते हैं। व्यक्तित्व की जटिलता को विशिष्टता मानने का भ्रम मानवीय व्यवहार की विसंगति बनती जा रही है, जिसके लिये हम तमाम तरह के आडंबर व प्रपंच करते नजर आते हैं। हम आध्यात्मिक व धार्मिक होने का प्रदर्शन तो करते हैं लेकिन सही मायनों में हमारे कार्य व्यवहार में वो नजर नहीं आता है।

आखिर व्यक्ति को अपने सामाजिक दायरे में ये गिरगिटी रंग क्यों बदलने पड़ते हैं? आखिर व्यक्ति क्यों स्वाभाविक जीवन नहीं जी पाता?समय की विडंबना है कि सच बोलने से पहले व्यक्ति दस बार उसके नफे-नुकसान का आकलन करता है। यहां तक कि आत्मीय संबंधों में भी 'सहज संवाद' के बजाय व्यक्ति नफे-नुकसान का गणित देखता रहता है। सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में हानि-लाभ का गणित तलाशना हमारी आदत बन जाती है। ऐसा लगता है, जैसे जीवन सामाजिक व्यवहार के बजाय मुनाफे की दुकान बनकर रह गई हो। हम भूल जाते हैं कि सामाजिक व्यवहार कोई गणित का सवाल नहीं है, जिसे नफे-नुकसान के तराजू में तौला जा सके। दिखावे की इस दुनिया और

आडंबरपूर्ण जीवन के बीच, कवि पं. भवानी प्रसाद मिश्र हमें चेताते हुए कहते हैं—'तुम बंजर हो जाओगे/ यदि इतने व्यवस्थित ढंग से रहोगे/ यदि इतने सोच समझकर बोलोगे/ चलोगे/ कभी मन की नहीं कहोगे/ सच को दबाकर झूठे प्रेम के गाने गाओगे/ तो मैं तुम से कहता हूं,/ तुम बंजर हो जाओगे।'सही मायनों में यहां बंजर होने से कवि का तात्पर्य मनुष्य द्वारा अपनी 'सहजता' को खो देना है। यह उस आंतरिक शून्यता की ओर उन्मुख होने का संकेत है, जहां मनुष्य के भीतर से प्रेम, करुणा और संवेदनाओं का स्रोत सूख जाता है। कवि की ये पंक्तियां नफे-नुकसान के सम्मोहन को त्यागने की बात करती है।कवि जिस बंजरपन से बचने की बात करता है, उसका समाधान केवल और केवल 'जीवन की सहजता' में निहित है। प्रश्न उठता है कि यह जीवन की सहजता आख़िर है क्या? क्या यह सरल होना मात्र है या कुछ और? दरअसल, सहजता का अर्थ है, मनुष्य का मूल व्यवहार।

वह जो मनुष्य मूल प्रकृति है, जो हमारी कृत्रिमता, प्रदर्शन की इच्छा या 'लोग क्या कहेंगे' के भय से मुक्त है। सहज व्यक्तित्व में कोई जटिलता नहीं होती और अंदर कोई दोहरा व्यक्तित्व भी नहीं पलता। सहज व्यक्ति अपनी कमियों और खूबियों के साथ को स्वीकार करता है। हां, सहजता का अर्थ प्रमाद, अनुशासनहीनता या अनियंत्रित होना बिल्कुल नहीं है।पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अपने मूल स्वभाव को छोड़कर किसी दूसरे के छद्म व्यवहार का अनुसरण सर्वथा त्याज्य है।

यहां 'स्वधर्म' का अभिप्राय किसी कर्मकांड से नहीं, अपितु हमारी उस 'मौलिक प्रकृति' से है, जिसके साथ हमारा अस्तित्व स्पंदित होता है। यदि मनुष्य अपनी मौलिकता के व्यवहार में जीवन जीता है तो वह स्वस्थ जीवन भी जी सकता है।निर्विवाद रूप से हमारे जीवन का वास्तविक सौन्दर्य सहजता में ही निहित है।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर हम सहज क्यों नहीं रह पाते? दरअसल, इस असहजता की जड़ें हमारे उस मनोविज्ञान में निहित हैं, जहां हम स्वयं की एक आदर्श छवि गढ़ने की कोशिश में रहते हैं। हम स्वयं को अत्याधिक बुद्धिमान, संस्कारवान या फिर सफल दिखाने के सम्मोहन में बंध जाते हैं।

फिर इसी गढ़ी हुई छवि को बनाए रखने का निरंतर दबाव हमें भीतर ही भीतर कमजोर बना देता है।

फीकी पड़ती होली: रंगों से सजे बाजार, मगर खरीदारों का इंतज़ार

ग्रहण की छाया, फसल के कमजोर दाम और नकदी की कमी से थमा कारोबार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। होली की दस्तक के साथ बाजारों में रंगों की बहार तो दिख रही है, लेकिन रौनक अब भी गायब है। अबीर-गुलाल के ऊंचे ढेर, पिचकारियों की सजी कतारें और बच्चों को लुभाते रंग-बिरंगे मुखौटे ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं। बाजार सज-धज कर तैयार है, पर कदमों की आहट कम है। त्योहार सिर पर है, मगर खरीदारी में वह जोश नजर नहीं आ रहा, जिसकी व्यापारी उम्मीद लगाए बैठे थे।

इस बार तीन मार्च की भोर में होलिका दहन और चंद्र ग्रहण की स्थिति के चलते चार मार्च को रंगोत्सव मनाए जाने की संभावना ने भी खरीदारी की रफ्तार को प्रभावित किया है। ग्राहकों का रुझान टलता हुआ दिखाई दे रहा है। दुकानदारों का कहना है कि लोग बाजार आ तो रहे हैं, कीमतें पूछते हैं, मोलभाव भी करते हैं, लेकिन खरीदारी सीमित है। एक व्यापारी ने मुस्कराते हुए कहा, "त्योहार की गर्मी बाजार में है, लेकिन जेबों में नहीं।"

बिल्हौर कृषि प्रधान इलाका है। आलू की खुदाई शुरू हो चुकी है, लेकिन किसानों को अपेक्षित भाव नहीं मिल पा रहे। फसल के कम दामों के कारण नकदी का प्रवाह कमजोर है, जिसका सीधा असर बाजार पर दिखाई दे रहा है। ग्रामीण अंचल से आने वाले ग्राहकों की संख्या घटी है। कपड़ा बाजार में सन्नाटा पसरा है। उत्तरीपूरा के रेडीमेड दुकानदार आसिफ उर्फ दीपू बताते हैं कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बिक्री काफी कम है। फुटवियर व्यापारी जीशान जेकी का कहना है कि त्योहार के लिहाज से अपेक्षित बिक्री नहीं हो रही। मिश्रा वस्त्र भंडार के संचालक गिरजाशंकर मिश्रा के अनुसार साड़ियों की मांग बेहद सीमित है। आगे सहालग (विवाह सीजन) को देखते हुए लोग फिलहाल खर्च टाल रहे हैं।

➪ रेडीमेड, फुटवियर से लेकर साड़ी बाजार तक सुस्ती, अंतिम दो दिनों से उम्मीदें

मिठाई बाजार पर भी असर

मिठाई कारोबार भी पूरी तरह नहीं संभल पाया है। खोये के बढ़ते दामों ने लागत बढ़ा दी है, जिससे कीमतें बढ़ी हैं और ग्राहक सोच-समझकर खरीदारी कर रहे हैं। हालांकि नमकीन और सूखे स्नैक्स की दुकानों पर हल्की-फुल्की हलचल देखी जा रही है। व्यापारियों का मानना है कि बिल्हौर का बाजार अक्सर त्योहार से ठीक पहले के दो दिनों में रफ्तार पकड़ता है। उन्हें भरोसा है कि होली नजदीक आते-आते बाजार में असली रंग चढ़ेगा और बिक्री में उछाल आएगा।

खबर से अलग यह भी जान लीजिए

- **ऑनलाइन खरीदारी का असर:** स्थानीय व्यापारियों का मानना है कि शहरों में ऑनलाइन शॉपिंग का प्रभाव कस्बाई बाजारों तक भी पहुंच रहा है।
- **युवा वर्ग का बदला रुझान:** पारंपरिक खरीदारी की जगह युवा वर्ग सीमित और प्रतीकात्मक होली मनाने की ओर झुक रहा है।
- **सुरक्षा और मिलावटी रंगों की चिंता:** कई ग्राहक मिलावटी रंगों और केमिकल युक्त गुलाल को लेकर सतर्क हैं।
- **सहालग का प्रभाव:** आगामी विवाह सीजन के चलते परिवार बड़ी खरीदारी फिलहाल टाल रहे हैं।
- **मौसम की भूमिका:** अचानक मौसम में बदलाव भी बाजार की चहल-पहल पर असर डाल सकता है।
- **फिलहाल बाजार उम्मीदों के सहारे है:** रंग तैयार हैं, बस ग्राहकों के कदमों की आहट का इंतजार है।

उन्नत गन्ना बीज से बढ़ेगी किसानों की पैदावार और आय

➪ अनुसूचित जाति उप परियोजना के तहत 8-8 कुंतल बीज दिए गए

➪ किसानों को दी गई आधुनिक खेती की बारे में जानकारी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर तहसील के दिलीप नगर क्षेत्र स्थित बाबा का कुआं स्थल पर आयोजित किसान गोष्ठी में कीरतपुर और गौरी अभयपुर के किसानों को गन्ने की उन्नत किस्म कोलक 14201 का बीज वितरित किया गया। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की अनुसूचित जाति उप परियोजना के अंतर्गत 14 किसानों को लगभग 8-8 कुंतल बीज प्रदान किया गया।

गोष्ठी में वैज्ञानिकों ने बीज की तैयारी, उपचार और वैज्ञानिक विधि से बुवाई की विस्तृत जानकारी दी। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुधीर शुक्ल ने बताया कि योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराकर उत्पादन और आय में वृद्धि करना है। उन्होंने बताया कि कोलक 14201 शीघ्र पकने वाली किस्म है और गुड़ निर्माण के लिए उपयुक्त है। इससे तैयार गुड़ का रंग सुनहरा व स्वाद बेहतर होता है, जिससे बाजार में अच्छा मूल्य मिल सकता है।

कार्यक्रम में दिलीपनगर के प्रधान अनुराग अवस्थी व गौरी अभयपुर के विजय तिवारी सहित कई किसान उपस्थित रहे। कीरतपुर के गुरदीप, सुनीता, अजय कुमार, सावित्री, भगवानदास, शिवपाल, शिवसिंह, राजकुमार व आशा देवी तथा गौरी अभयपुर के मटरू, रामकुमार, उमेश कुमार व पिंटू ने बीज प्राप्त किया। बीज वितरण के दौरान संस्थान के तकनीकी कर्मचारी दिलीप कुमार और रवि यादव ने पंजीकरण कर किसानों को बीज उपलब्ध कराया। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि नई किस्म से क्षेत्र में गन्ना उत्पादन बढ़ेगा और किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

चौबेपुर में देर रात दो शराब ठेकों के शटर तोड़े, नकदी व पेटियां ले उड़े चोर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। चौबेपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात चोरों ने दो शराब दुकानों को निशाना बनाकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली। बेला रोड से गौरी भगवंतपुर जाने वाले मार्ग पर स्थित अंग्रेजी और देशी शराब के ठेकों के शटर तोड़कर बदमाश अंदर घुसे और नकदी के साथ शराब की पेटियां समेट ले गए। सोमवार सुबह राहगीरों ने दोनों दुकानों के शटर क्षतिग्रस्त देखे तो संबंधित कर्मचारियों और पुलिस को सूचना दी। दुकान खुलने पर गल्ले से नकदी गायब मिली और कई पेटियां भी कम पाई गईं। इससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी के मुताबिक अंग्रेजी शराब की दुकान से लगभग 50 से 60 हजार रुपये नकद और करीब एक दर्जन पेटियां चोरी हुई हैं। वहीं देशी शराब ठेके से 40 से 50 हजार रुपये की रकम और कुछ पेटियां गायब बताई जा रही हैं। कुल नकदी चोरी करीब एक लाख रुपये के आसपास आंकी जा रही है। वास्तविक नुकसान का आंकड़ा स्टॉक मिलान के बाद स्पष्ट होगा। सूचना पर थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि संदिग्धों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

➪ बेला रोड स्थित अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानों पर वारदात, करीब एक लाख की नकदी की चोरी का अनुमान

राष्ट्रीय आय परीक्षा में खूब चमके बिल्हौर ब्लॉक के बच्चे

➪ हर साल मिले 12 हजार रुपए की छात्रवृत्ति

➪ नासिरापुर स्कूल के बच्चों ने फिर दिखाई प्रतिभा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा -2025 में उच्च प्राथमिक विद्यालय नासिरापुर के चार बच्चों सिमरन, वैष्णवी, अंकिता और पारुल ने सफलता हासिल कर अपने परिवार और स्कूल का नाम रोशन किया है। वहीं कम्पोजिट स्कूल बारामऊ से दो बच्चों ने पारुल और पायल ने सफलता हासिल की।

कंपोजिट स्कूल गोहलियापुर से सात बच्चों हसन, नीतांशु सिंह, मोहिनी, आरोही सिंह, माही कटियार, सौम्य और आर्यन ने सफलता प्राप्त की। उच्च प्राथमिक स्कूल मल्लापुर से नीलाक्षी और राजेपुर से अंकिता और आकिन से शिवानी, सुजावलपुर से तान्या और पीएम श्री स्कूल पूरा से पांच बच्चों महेंद्र, माही, निशांत, सूर्यांश और शहरीन अपनी जगह बनाने में कामयाब हुईं। खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह ने बताया कि चयनित बच्चों को इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी करने तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। ताकि ऐसे बच्चों को आर्थिक तंगी के चलते अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़ना पड़े।

रसूलाबाद क्षेत्र के समस्त निवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

सरिता देवी
मिर्जापुर लकोठिया
प्रधान

सोहम यादव
ग्राम प्रधान बरिगौ

राजू यादव
ग्राम प्रधान निवादा
अनी

राम मूर्ति
ग्राम प्रधान अंता

सत्येन्द्र शर्मा
सचिव ग्राम पंचायत

ओरिया व सुनासी ग्राम पंचायत वासियों को होली की ढेर सारी बधाईयां

संतोष कुमार एडवोकेट
ग्राम प्रधान ओरिया रसूलाबाद

रघुनंदन कुशवाहा
ग्राम प्रधान सुनासी रसूलाबाद

अभय यादव
सचिव

समस्त क्षेत्र वासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपक चौहान
डायरेक्टर
जिला सहकारी बैंक कानपुर

अविनाश सिंह चौहान
सदस्य विधान परिषद कानपुर
फतेहपुर

होली की हार्दिक शुभकामनाए

संस्थापित वर्ष 2009

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से सम्बद्ध उत्तर प्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त

स्नेहलता गुप्ता मेमोरियल डिग्री कालेज
रसूलाबाद, कानपुर देहात

महाविद्यालय की विशेषताएँ –

- ★ 100% रिजल्ट का एकमात्र संस्थान
- ★ 100% स्कॉलरशिप की सुविधा
- ★ क्षेत्र का एक मात्र कॉलेज जहाँ से सर्वाधिक विद्यार्थी चयनित
- ★ विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित प्रवक्ताओं द्वारा नियमित शिक्षण कार्य
- ★ समस्त लैबो में नियमित प्रयोगात्मक प्रशिक्षण कार्य
- ★ डिजिटल लाइब्रेरी एवं मुफ्त पुस्तकों की सुविधा
- ★ वार्षिक उमंग महोत्सव जिसमे रंगोली, गायन, कबड्डी, खो–खो एवं अन्य खेल कूद प्रतियोगता
- ★ अनुशासित एवं भव्य कैंपस
- ★ सभी विद्यार्थियों को मोबाइल टेबलेट सहित शासन की सभी योजनाओ का शतप्रतिशत लाभ
- ★ गरीब एवं विकलांग विद्यार्थियों को फीस में छूट
- ★ प्रत्येक वर्ष कॉलेज द्वारा विश्वविद्यालय एवं
- ★ राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों का चयन
- ★ प्रत्येक वर्ष रोजगार मेले का आयोजन

ज्ञानार्थ आइये! सेवार्थ जाइये

महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

B.Ed. | B.A | B.Sc. | B.Com.

M.A. : SOCIOLOGY, EDUCATION
M.Sc.: MATH • PHYSICS
CHEMISTRY • ZOOLOGY
B.Sc. : (अतिरिक्त विषय) COMPUTER SCIENCE

मो : 7897062451, 9621996565, 9889024201 (प्रबन्धक)

संरक्षक	अध्यक्ष	प्रबन्धक	उप-प्रबन्धक	प्राचार्य
श्री सन्त कुमार गुप्ता	श्री कौशल किशोर गुप्ता	श्री विनीत कुमार गुप्ता	श्री प्रवेश कुमार यादव	डॉ अमित कुमार गुप्ता

सुनासी जिला पंचायत क्षेत्र वासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

स्व.चौ. कुलदीप सिंह यादव
पूर्व ब्लाक प्रमुख, रसूलाबाद

देवांग यादव
शिवम

सौरभ सिंह यादव
क्षेत्र पंचायत सदस्य

नहर की पटरी फटी, 200 बीघा फसल जलमग्न

राजपुर नहर में कटाव से खेतों में भरा पानी, किसानों में रोष

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर क्षेत्र में अमराहट कैनाल से जुड़ी राजपुर नहर की पटरी रविवार को खासबरा के समीप फट गई। नहर का जलस्तर अचानक बढ़ने से यह घटना हुई, जिसके चलते आसपास के किसानों की करीब 200 बीघा फसल जलमग्न हो गई।

भोगनीपुर निचली गंग नहर से निकली राजपुर नहर में इन दिनों तेज गति से पानी छोड़ा जा रहा था। जलस्तर बढ़ने के कारण नहर ओवरफ्लो हो गई और खंदी कट गई। सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों ने जब पानी भरा देखा तो हड़कंप मच गया। किसानों ने तत्काल सिंचाई विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिंचाई विभाग की टीम सक्रिय हुई और आलमपुर झाल से पानी बंद कराया गया। इसके बाद टूटी हुई पटरी की मरम्मत कराई गई, जिससे आगे और नुकसान होने से रोका जा सका। क्षेत्रीय किसान अजीज, उस्मान, नफीस, सलीम, खुर्रम, शमशाद, राजू, गोविंद

सिंह, रामजी, कन्हैया, मानसिंह, इंद्रपाल, अमरपाल, चंदन, प्रहलाद सिंह, रमाकांत और सियाराम ने बताया कि नहर के ओवरफ्लो होने से गेहूं, चना और लाही की लगभग 200 बीघा फसलें पानी में डूब गई हैं। किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता अरविंद कुमार ने बताया कि नहर का जलस्तर बढ़ने से रजबहा में पानी अधिक हो गया था, जिससे खंदी कट गई। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही पानी बंद कराकर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है।

भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात आगामी होली और रमजान पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र की देवीपुर चौकी परिसर में पीस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, धर्मगुरुओं तथा हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में चौकी प्रभारी ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का प्रतीक है, जबकि रमजान का महीना इबादत, सब्र और इंसानियत का संदेश देता है। ऐसे में दोनों पर्व सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का अवसर हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह, उकसावे या भड़काऊ संदेशों पर ध्यान न दें और न ही सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट साझा करें। त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। जुलूस, डीजे, रंग खेलने के समय, नमाज के

वक्त और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया। बैठक के अंत में सभी ने एक स्वर में शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया।

केशव सिंह चौहान की त्रयोदशी में सर्वदलीय एकजुटता

जनप्रतिनिधियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, माती। सरवनखेडा विकास खंड क्षेत्र के ग्राम मंगटा में शनिवार को स्व0 केशव सिंह चौहान के त्रयोदशी संस्कार में सर्वदलीय नेताओं, जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। शोक और श्रद्धा के माहौल में उपस्थित जनों ने दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनुप सिंह जादौन, समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरसेन यादव, क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिवबरन सिंह चौहान और सपा युवा संगठन के जिला प्रभारी धर्मेंद्र त्रिवेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने अपने संबोधन में स्व0 केशव सिंह चौहान के सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी सक्रियता को स्मरण किया।

इस अवसर पर शिवबरन सिंह चौहान एडवोकेट, बड़े सिंह भदौरिया, कान्हा सिंह, योगेंद्र सिंह चौहान, अमन सिंह, प्रेम मिश्रा, बब्लू सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।उल्लेखनीय है कि ग्राम मंगटा निवासी पत्रकार सचिन सिंह के पिता स्व0 केशव सिंह चौहान का 16 फरवरी को आकस्मिक निधन हो गया था। त्रयोदशी संस्कार में क्षेत्रभर से उमड़ी भीड़ ने यह स्पष्ट किया कि स्व0 चौहान समाज में विशेष सम्मान और लोकप्रियता रखते थे। गमगीन वातावरण में संपन्न हुए कार्यक्रम में शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देने वालों का तांता लगा रहा।

पुष्पेय हॉस्पिटल परिवार अक़बरपुर कानपुर देहात की ओर से समस्त देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. एस.डी. शर्मा
(BAMS)

रंगों में घुली रहे
खुशियों की मिठास
हर बार, आपका
जीवन सजे सेहत,
प्रेम और उल्लास से
हर त्योहार बने

डॉ. पुष्पेय शर्मा
(BAMS)

बाइकों की आमने-सामने भीषण भिड़ंत में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

होली से पहले उजड़ गए दो घर, इकलौते चिराग बुझने से गांव में छाया मातम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। होली के त्योहार से ठीक पहले रसूलाबाद-विषधन मार्ग पर मेघजाल गांव के निकट हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। दो बाइकों की आमने-सामने हुई जबरदस्त भिड़ंत में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद गांव में कोहराम मच गया और त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं।रसूलाबाद थाना क्षेत्र के कसमड़ा निवासी अमित कुमार संखवार (25) अपने साथी मोहित निवासी नैनपुर के साथ बाइक से रसूलाबाद की ओर जा रहे थे। मेघजाल गांव के पास सामने से आ रहे थानापुरवा निवासी अनुज कुमार राजपूत की बाइक से सीधी भिड़ंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस की सूचना दी और परिजनों को खबर दी। आनन-फानन में तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अमित और अनुज को मृत घोषित कर दिया। वहीं मोहित की हालत गंभीर देखते हुए उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मृतक अनुज की फाइल

मृतक अमित की फाइल फोटो

होली के रंग पड़े फीके

होली के पर्व को लेकर गांवों में रंग-गुलाल, पिचकारियों और मिठाइयों की तैयारियां चल रही थीं। लेकिन इस हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। जिन घरों में त्योहार की रौनक थी, वहां अब चीख-पुकार और सिसकियां सुनाई दे रही हैं। दोनों मृतक अपने-अपने परिवार के इकलौते चिराग बताए जा रहे हैं। परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक का माहौल है और लोग स्तब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाए जाते हैं, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के ठोस इंतजाम करने की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक एस.एन. सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

रमजान पर्व में रोज़ा इफ्तार के बाद मांगी जा रहीं दुआएं

गुनाहों से माफी मांगने का है दूसरा असराः गुलाम मुरसलीन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मुकद्दस माह-ए-रमजान में क्षेत्र का माहौल पूरी तरह इबादत और रूहानियत में डूबा नजर आ रहा है। मुसलमान 30 दिन तक रोज़ा रखकर सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे रहकर अल्लाह की इबादत करते हैं।

शाम होते ही मस्जिदों और घरों में रोज़ा इफ्तार किया जाता है, जिसके बाद मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं।रमजान का दूसरा असरा शुरू हो चुका है, जिसे गुनाहों से माफी का असरा कहा जाता है। यह 11वें रोज़े से लेकर 20वें रोज़े तक चलता है। इस दौरान लोग ज्यादा से ज्यादा तौबा-इस्तगफार कर अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। मस्जिदों में नमाजियों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जा रही है। पांचों वक्त की नमाज के साथ-साथ तरावीह में भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं।

बाजारों में इफ्तार की तैयारियां जोरों पर हैं। खजूर, फल, शरबत, पकौड़ी और अन्य खाद्य सामग्री की खरीदारी बढ़ गई है। इफ्तार के समय मस्जिदों और घरों में खजूर और पानी से रोज़ा खोला जा रहा है। कई स्थानों पर सामूहिक इफ्तार का आयोजन भी किया जा रहा है, जहां रोज़ेदार एक साथ बैठकर इफ्तार करते हैं।

मौलाना गुलाम मुरसलीन ने बताया कि रोज़ा इस्लाम के पांच अहम अरकानों में से एक है। इस्लाम के पांच अरकान कलमा-ए-तौहीद, नमाज़, रोज़ा, हज और ज़कात हैं। उन्होंने कहा कि हर सेहतमंद और बालिग मुसलमान पर रमजान के महीने में रोज़ा रखना फर्ज है। यदि कोई शख्स किसी वजह से रोज़ा नहीं रख पाता है तो बाद में उसकी कज़ा अदा करना वाजिब है।

रंगों में घुली मुस्कान, श्रमिकों के बच्चों संग मनाई होली

» लाइफ इंस्पायरिंग फाउंडेशन ने भोगनीपुर के ईंट भट्ठे पर खुशियों के रंग बिखेरे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । सामाजिक संस्था लाइफ इंस्पायरिंग फाउंडेशन ने रविवार को भोगनीपुर स्थित एबीएफ ईंट भट्ठा परिसर में श्रमिकों के बच्चों के साथ रंगों का त्योहार उल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वंचित वर्ग के बच्चों के जीवन में खुशियों के रंग भरना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश देना था।

होली मिलन कार्यक्रम के दौरान बच्चों के बीच गुलाल, रंग, कलर स्मोक और सॉफ्ट ड्रिंक का वितरण किया गया। स्वयंसेवकों ने सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में बच्चों के साथ होली खेली। रंगों की बौछार के बीच बच्चों के चेहरे पर झलकती मुस्कान ने पूरे माहौल को भावुक और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस विशेष अभियान में स्वयंसेवक अंकित सिंह, अनामिका सिंह, देवेंद्र सिंह, माला श्रीवास्तव, प्रदीप सिंह और नैना ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि लाइफ इंस्पायरिंग फाउंडेशन समाज के वंचित, श्रमिक एवं जरूरतमंद वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर जनसेवा के कार्य करती रही है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

झींझक ओवरब्रिज मार्ग की मरम्मत शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के झींझक रेलवे स्टेशन पर पश्चिमी रेलवे क्रासिंग के ओवरब्रिज मार्ग का मरम्मत कार्य पूरा हो गया है।

यह मार्ग खस्ताहाल होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं।शुक्रवार को नगर पालिका झींझक के सभासदों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर मरम्मत की मांग की थी।

इसके बाद रविवार को लोक निर्माण विभाग के एक्सियन सुनील कुमार सिंह, अवर अभियंता दिनेशचंद्र, सहायक अभियंता शिवम पाल और सेतु निगम के जिला प्रोजेक्ट मैनेजर एस.के सुमन ने ओवरब्रिज का निरीक्षण किया।निरीक्षण के बाद लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता शिवम पाल ने मरम्मत कार्य कराने की बात कही।

रविवार रात से ही मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया, जो सोमवार सुबह तक पूरा हो गया। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

हृदय विदारक घटना

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसा

एक घंटे में दो बसों की टक्कर में तीन की मौत, 31 घायल

होली पर घर लौटते यात्रियों की खुशियां मातम में बदलीं

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। होली के पर्व पर अपनों से मिलने की आस लिए घर लौट रहे यात्रियों के लिए रविवार की रात काल बनकर आई। बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक घंटे के भीतर हुए दो भीषण सड़क हादसों ने खुशियों के रंग को मातम में बदल दिया। इस हृदयविदारक दुर्घटना में तीन यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई, जबकि 31 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। रातभर एक्सप्रेसवे और अस्पताल परिसर चीख-पुकार तथा एंबुलेंस के सायरनों से गूंजता रहा।

हादसे की पहली कड़ी देर रात उस समय शुरू हुई, जब आगरा डिपो की एक रोडवेज बस लगभग 41 यात्रियों को लेकर लखनऊ की ओर जा रही थी।

सिरधरपुर गांव के निकट चालक संतुलन खो बैठा और बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और यात्री सीटों से उछल पड़े।

सूचना मिलते ही यूपीडा) की रेस्क्यू टीम व पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य प्रारंभ किया। 14 घायलों को तत्काल बांगरमऊ अस्पताल पहुंचाया गया। दुर्घटनाग्रस्त बस को सुरक्षा की दृष्टि से सड़क किनारे खड़ा कर दिया गया था और बचाव कार्य जारी था। इसी बीच लगभग एक घंटे बाद त्रासदी ने और भयावह रूप ले लिया। मथुरा डिपो की एक अन्य रोडवेज बस, जो उसी मार्ग से गुजर रही थी, सड़क किनारे खड़ी बस से जा टकराई। दूसरी टक्कर अत्यंत भीषण थी। मथुरा डिपो की बस का अगला भाग पूरी तरह चकनाचूर हो गया। यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई और घटनास्थल पर अफरा-तफरी फैल गई।

दूसरे हादसे में घायल लगभग 20 यात्रियों को आनन-फानन में अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने तीन यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

पुलिस उनके पास मिले सामान और टिकटों के आधार पर शिनाख्त का प्रयास कर रही है। कुल 17 गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। घायलों में कुशीनगर, गाजीपुर, सिद्धार्थनगर, लखीमपुर खीरी और मथुरा सहित विभिन्न जनपदों के निवासी शामिल हैं, जो होली मनाने अपने घर जा रहे थे।

बिरयानी की बंद दुकान के फ्रीजर में मिली युवक की लाश, हत्या का शक

चार दिन बाद दुकान का शटर उठा तो अंदर मिला शव

शराब पार्टी में विवाद के बाद साजिशन हत्या की आशंका

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के बीकेटी क्षेत्र में चंद्रिका देवी रोड स्थित एक वेज बिरियानी की दुकान में युवक की लाश फ्रीजर में मिलने का मामला सामने आया है। चार दिन से बंद पड़ी दुकान खुलने पर घटना का खुलासा हुआ। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का माना जा रहा है।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 30 वर्षीय विजयपाल, निवासी मदारीपुर किशुनपुर, के रूप में हुई है। वह हरियाणा में नौकरी करता था और हाल ही में घर आया था। परिजनों के मुताबिक वह शुक्रवार दोपहर घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया और वह लापता था।

रविवार को दुकान मालिक सनी, निवासी मंझी निकरोजपुर (माल थाना क्षेत्र), दुकान से सामान लेने पहुंचा। दुकान कई दिनों से बंद थी, क्योंकि उसके पिता का 26 फरवरी को निधन हो गया था। जैसे ही उसने खराब पड़े फ्रीजर को खोला, उसमें युवक का शव मिला। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दुकान के अंदर से शराब की खाली बोतलें, गिलास और नमकीन के पैकेट बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि दुकान में शराब पार्टी के दौरान विवाद हुआ, जिसके बाद युवक की हत्या कर शव को फ्रीजर में छिपा दिया गया।

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि बंद दुकान में पार्टी कैसे हुई और क्या किसी अन्य व्यक्ति के पास भी चाबी थी। यह भी संभावना जताई जा रही है कि शव को फ्रीजर में रखने का उद्देश्य घटना को छिपाना और खुलासा देर से होना था। मौके से फिंगरप्रिंट और अन्य साक्ष्य जुटाए गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और मृतक की कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर उसके अंतिम संपर्कों की जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों ने आधार कार्ड के माध्यम से पहचान की पुष्टि की है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर की वेदिका को जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया में मिला स्थान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर की युवा पत्रकार वेदिका शर्मा को जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया का सदस्य मनोनीत किया गया है। वह पत्रकारिता के माध्यम से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाती रही हैं। उनके लेखों ने न सिर्फ पाठकों का ध्यान खींचा, बल्कि कई विषयों पर व्यापक चर्चा भी शुरू की। उनके मनोनयन पर शहर के प्रमुख पत्रकारों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है।

कैंडल मार्च, शिया समुदाय ने जताया रोष

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत से दुखी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की खबर के बाद शहर के शिया मुस्लिम समुदाय में शोक और आक्रोश का माहौल देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने चौक से मऊ दरवाजा स्थित दरगाह हजरत अब्बास तक कैंडल मार्च निकाला। मार्च में बच्चे, युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। हाथों में मोमबत्तियां और पोस्टर लिए लोग शांतिपूर्वक आगे बढ़ते रहे।

कैंडल मार्च के दौरान प्रतिभागियों ने अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शनकारियों ने अयातुल्लाह अली खामेनेई के पोस्टर हाथ में लेकर विरोध दर्ज कराया। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सदर कोतवाली पुलिस बल के साथ क्षेत्राधिकारी नगर ऐश्वर्या उपाध्याय मौजूद रहीं। प्रशासन की निगरानी में कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। शहर के कर्बला मैदान में शिया समुदाय ने एक मजलिस का आयोजन कर दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। मजलिस में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

शिया धर्मगुरु सदाकत हुसैन ने कहा कि यह समुदाय के लिए गहरा दुख है। मौलाना जाकिर राजा ने कहा कि अयातुल्लाह अली खामेनेई अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की बात कहते थे। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मजलिस में राजा, शादाब, जाहिद, जफर, महफूज, अजहर, फनी, साइन, रईस, हैदर और आलम आलमीन सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अनुशासन बनाए रखा गया और किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।

ऑडियो में सामने आया ‘ताकत का आतंक’

गोरखनाथ बाबा बनाम एसडीएम, अयोध्या में सत्ता-सिस्टम की खतरनाक जुगलबंदी

» अगर हम नाराज हो गए तो कोई सरकारी विधायक आपको नहीं बचा पाएगा-बाबा गोरखनाथ

» फोन कॉल में धमकी, पैसों और मुकदमों का खेल, कोर्ट के आदेश बेअसर, भाजपा में गहराती गुटबाजी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनसेवा और कानून के नाम पर खड़ी सरकार की इमारत के भीतर क्या चल रहा है-इसका एक डरावना सच सामने आया है। मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा और एसडीएम सुधीर कुमार के बीच हुई फोन बातचीत का

ऑडियो सत्ता के अहंकार और प्रशासनिक मजबूरी की भयावह तस्वीर पेश करता है।

ऑडियो में बाबा खुलेआम कहते हैं÷अगर हम नाराज हो गए तो कोई सरकारी विधायक आपको नहीं बचा पाएगा।÷ यह सिर्फ धमकी नहीं, बल्कि प्रशासन पर वर्चस्व जमाने का एलान है। अमानीगंज विकासखंड के सुमेरपुर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र की जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे सत्ता के ‘पावर प्ले’ में तब्दील हो गया।

सबसे चौंकाने वाला हिस्सा कथित रूप से 50 हजार रुपये भिजवाने की बात और मुकदमों के इस्तेमाल का जिक्र है।

यह दर्शाता है कि किस तरह कानून को निजी हथियार बना लिया गया है। बाबा का यह कहना कि ÷हमारे साथ रहने पर मुकदमे लिखे गए÷ न्याय व्यवस्था की साख पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस पूरे विवाद में मौजूदा विधायक चंद्रभानु पासवान का नाम सामने आने से भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी भी उजागर हो गई है। पार्टी के भीतर चल रही खींचतान अब प्रशासनिक फैसलों को भी प्रभावित करती दिख रही है।

ग्राम प्रधान आदर्श श्रीवास्तव के अनुसार, ग्राम सभा से प्रस्ताव पारित होने और न्यायालय के आदेश के बावजूद निर्माण लगातार रोका गया। यहां तक कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के निर्देश भी जमीनी स्तर पर बेअसर साबित हुए। हालांकि जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद निर्माण फिलहाल रुक गया है। यह मामला केवल जमीन विवाद नहीं, बल्कि उस तंत्र की कहानी है, जहां जनप्रतिनिधि, अफसर और दबंग मिलकर लोकतंत्र की जड़ों को खोखला कर रहे हैं। अब देखना यह है कि इस ऑडियो की निष्पक्ष जांच होगी या यह फाइल भी ताकत के दबाव में दफन हो जाएगी।

नहीं हुआ ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय भुगतान, कैसे मनाएं होली ?

लगभग 664 रोजगार सेवकों का पिछले 6 से 12 माह का मानदेय अब तक बकाया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। गांवों के विकास की रीढ़ माने जाने वाले ग्राम रोजगार सेवकों की होली इस बार भी बेरंग रहने वाली है। अयोध्या जनपद में मनरेगा, एसआईआर सहित विभिन्न योजनाओं में दिन-रात कार्य करने वाले लगभग 664 रोजगार सेवकों का पिछले 6 से 12 माह का मानदेय अब तक लंबित है।

जिला अध्यक्ष अमरदीप गौड़ ने बताया कि एक ओर मुख्यमंत्री द्वारा होली से पहले संविदा कर्मियों का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर ग्राम्य विकास विभाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत धनराशि ही नहीं भेजी, जिससे कर्मचारियों की परेशानी बढ़ गई है।

पूरा बाजार ब्लॉक अध्यक्ष अनूप सिंह ने कहा कि सितंबर से मानदेय नहीं मिला है, ऐसे में त्योहार पर परिवार का भरण-पोषण मुश्किल हो गया है। मसौधा के आदित्य पांडेय ने सवाल उठाया कि 7788 रुपये के अल्प मानदेय पर भी 8 से 18 माह का बकाया है और पिछले चार वर्षों का ईपीएफ कहां जा रहा है, किसी को जानकारी नहीं। रोजगार सेवकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

इन ब्लॉकों में सबसे ज्यादा बकाया

तारून	10 माह	सोहावल	6 माह
मया बाजार -	6 माह -	पूरा बाजार	5 माह
मसौधा-	8 से 18 माह तक	बीकापुर	6 माह
हरिग्टनगंज -	6 माह	मिल्कीपुर -	7 माह
अमानीगंज -	6 माह	रूदौली -	3 माह
मवई -			6 माह

रामपथ बना ‘मौत का ट्रैक’: श्रद्धालुओं की जान से खिलवाड़, प्रशासन मौन

» बिना रजिस्ट्रेशन दौड़ती गोल्फ कार्ट, बिना जिम्मेदारी चलता सिस्टम

» हादसों के बाद भी न एफआईआर, न मुआवजा, किसके संरक्षण में चल रहा खेल?

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। धर्म और आस्था की राजधानी अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुरक्षा आज सबसे सस्ती चीज बन चुकी है। रामपथ पर रविवार को एक बार फिर तेज रफ्तार गोल्फ कार्ट पलट गई। कई श्रद्धालुओं के हाथ-पैर टूट गए, महिलाएं और बुजुर्ग दर्द से कराहते रहे, और प्रशासन हमेशा की तरह बाद में जागा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण कार्ट अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। न कोई निगरानी, न कोई नियम, न कोई जवाबदेही बस श्रद्धालुओं की जान दांव पर। स्थानीय लोगों का कहना है कि रामपथ और धर्मपथ पर सैकड़ों गोल्फ कार्ट बिना रजिस्ट्रेशन, बिना बीमा और बिना अनुमति दौड़ रही हैं। बार-बार शिकायत के बावजूद न परिवहन विभाग सुनता है, न उत्तर प्रदेश पुलिस हरकत में आती है। परिवहन विभाग पल्ला झाड़ता है कि ÷पंजीकरण नहीं है, इसलिए कार्रवाई नहीं हो सकती।÷ यातायात पुलिस कहती है ÷बीमा नहीं है, हमारी जिम्मेदारी नहीं।÷ यानी हादसा हो जाए तो पीड़ित भगवान भरोसे।

अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा सूची भेजे जाने के बावजूद अवैध संचालन बेरोकटोक जारी है। पूर्व की दुर्घटनाओं में न मुआवजा मिला, न एफआईआर हुई। यह चुप्पी नहीं, खुली मिलीभगत है। नयाघाट चौकी प्रभारी प्रवीण का कहना है कि तीन घायल बनारस रेफर किए गए हैं और प्रार्थना पत्र मिलने पर कार्रवाई होगी। सवाल यह है क्या प्रशासन को हर बार आवेदन का इंतजार रहेगा, या कभी खुद जिम्मेदारी लेगा? यह हादसा नहीं, सिस्टम की विफलता है। अगर अब भी नकेल नहीं कसी गई, तो अगली खबर शायद ÷मौत÷ की होगी और जिम्मेदार फिर बच जाएंगे।

पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर तालिबान के हमले, नूर खान एयरबेस को बनाया निशाना!

पाकिस्तान सरकार या सेना की ओर से इस पूरे घटनाक्रम पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

काबुल/इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में सत्ता संभाल रहे तालिबान प्रशासन के रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले करने का दावा किया है। तालिबान के अनुसार यह कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा अफगान क्षेत्र में कथित एयरस्ट्राइक के जवाब में की गई। दावे में कहा गया है कि पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस को निशाना बनाया गया।

तालिबान की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान ने पहले अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और ऐतिहासिक बगराम एयरफील्ड क्षेत्र को निशाना बनाने की कोशिश की थी। इसके बाद अफगान वायु रक्षा तंत्र को सक्रिय करते हुए जवाबी कार्रवाई की गई। बयान में यह भी आरोप लगाया गया कि पाकिस्तानी जेट अफगान हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए, जिन पर एंटी-एयरक्राफ्ट और मिसाइल डिफेंस सिस्टम से जवाब दिया गया।

तालिबान का दावा है कि उसने पाकिस्तान के अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों को भी निशाना बनाया,

हालांकि विस्तृत सूची सार्वजनिक नहीं की गई। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में अफगान हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया गया तो और कड़ा कदम उठाया जाएगा।

दूसरी ओर, पाकिस्तान सरकार या सेना की ओर से इस पूरे घटनाक्रम पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से भी इन हमलों की पुष्टि नहीं हो सकी है। क्षेत्रीय मीडिया रिपोर्टों में काबुल में तेज धमाकों की आवाजें सुने जाने की बात कही गई है, लेकिन हमलों की वास्तविक क्षति और हताहतों की संख्या स्पष्ट नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ये दावे तथ्यात्मक रूप से सही पाए जाते हैं तो यह पाकिस्तान और तालिबान शासित अफगानिस्तान के बीच सीधे सैन्य टकराव की गंभीर स्थिति मानी जाएगी। हाल के महीनों में सीमा क्षेत्रों में तनाव, ड्रोन गतिविधियों और जवाबी कार्रवाइयों की घटनाओं ने दोनों देशों के संबंधों को पहले ही तनावपूर्ण बना रखा है। फिलहाल स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है और आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

एक नजर में...

- तालिबान ने कार्रवाई को "जवाबी कदम" बताया है
- पाकिस्तान की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं
- स्वतंत्र स्रोतों से हमले की पुष्टि नहीं हो सकी है
- काबुल में धमाकों की आवाज सुनने की मीडिया रिपोर्टें सामने आई है
- नूर खान एयरबेस पाकिस्तान वायुसेना का रणनीतिक अड्डा माना जाता है

मिडिल ईस्ट में युद्ध: भारत में हवाई यात्रा संकट गहराया, सैकड़ों उड़ानें रद्द, हजारों यात्री फंसे

❍ दिल्ली सहित प्रमुख एयरपोर्टों पर अव्यवस्था ❍ दुबई-ईरान-इज़रायल में भारतीयों की बढ़ी चिंता ❍ एयरलाइंस ने बदले रूट, टिकट नियमों में दी राहत

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में तेजी से बिगड़ते हालात का सीधा असर भारत की हवाई सेवाओं पर पड़ा है। क्षेत्रीय एयरस्पेस बंद होने और सुरक्षा जोखिम बढ़ने के कारण देशभर में सैकड़ों उड़ानें रद्द या डायवर्ट की गई हैं। सबसे ज्यादा दबाव राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर देखने को मिला, जहां यात्रियों की लंबी कतारें, सूचना काउंटरों पर भीड़ और टिकट रद्द/री-शेड्यूल कराने वालों की अफरा-तफरी का माहौल रहा।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (छलष्ट) ने एहतियातन कई मार्गों को उच्च जोखिम श्रेणी में रखते हुए एयरलाइंस को आवश्यक सुरक्षा कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके चलते खाड़ी देशों, पश्चिम एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका के लिए उड़ान भरने वाले विमानों को या तो लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ रहा है या सेवाएं अस्थायी रूप से स्थगित करनी पड़ रही हैं।

एयर इंडिया एयर इंडिया ने बयान जारी कर कहा है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन सीमित रूप में किया जाएगा, जबकि संवेदनशील रूटों पर सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगी। कंपनी ने यात्रियों को पूर्ण धनवापसी या बिना अतिरिक्त शुल्क तारीख परिवर्तन की सुविधा दी है। इसी तरह इंडिगो इंडिगो ने भी चरणबद्ध तरीके से दर्जनों उड़ानें

रद्द करने और शेष उड़ानों के मार्ग बदलने की जानकारी दी है। अन्य एयरलाइंस ने भी सुरक्षा कारणों से अपने शेड्यूल में व्यापक बदलाव किए हैं।

विदेशों में फंसे भारतीयों की चिंता भी बढ़ गई है। खासकर दुबई में बड़ी संख्या में यात्री ट्रांजिट या वापसी उड़ानों के रद्द होने से अटके हुए हैं। कई छात्र, पर्यटक और कामकाजी भारतीय असमंजस की स्थिति में हैं। वहीं ईरान और इज़रायल में रह रहे भारतीयों को सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन व भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखने की सलाह दी गई है। खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख देशों–संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और क़तर–के लिए उड़ानों पर भी असर पड़ा है।

एयरस्पेस प्रतिबंधों के कारण उड़ानों की अवधि बढ़ने, ईंधन लागत में वृद्धि और शेड्यूल असंतुलन की समस्या सामने आ रही है। घरेलू उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं क्योंकि कई विमान अंतरराष्ट्रीय रूट से लौटकर समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहे।केंद्र सरकार ने स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विदेश मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय लगातार एयरलाइंस तथा दूतावासों के संपर्क में हैं। जरूरत पड़ने पर विशेष उड़ान या निकासी अभियान चलाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

मौजूदा हालात को देखते हुए स्पष्ट है कि मध्य पूर्व का यह तनाव केवल सीमित क्षेत्रीय संकट नहीं रहा, बल्कि इसका असर वैश्विक विमानन व्यवस्था और भारत के आम यात्रियों के जीवन पर भी गहराई से पड़ रहा है। स्थिति लगातार बदल रही है, ऐसे में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की ताजा स्थिति अवश्य जांच लें और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

- मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण कई देशों का एयरस्पेस बंद
- दिल्ली सहित प्रमुख भारतीय एयरपोर्टों पर सैकड़ों उड़ानें रद्द
- एयरलाइंस ने संवेदनशील रूटों पर सेवाएं स्थगित कीं, कई मार्ग बदले
- टिकट कैंसिलेशन और री-शेड्यूलिंग पर अतिरिक्त शुल्क माफ
- दुबई और अन्य खाड़ी देशों में भारतीय छात्र व कामकाजी नागरिक फंसे
- सरकार, DGCA और विदेश मंत्रालय स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए
- लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाने से उड़ान समय और लागत में बढ़ोतरी
- आने वाले दिनों में हालात सामान्य होने की कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 ❍ Email: swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ Website: www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें https://epaper.swarajindianews.com